जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

03 अगस्त, 2021

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया ने 16वां (पहला ऑनलाइन) ह्यूमन राईट्स एंड सोशल इनक्लूज़न (इंटरडिसिप्लिनरी) पर दो सप्ताह का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम शुरू किया

यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र (यूजीसी-एचआरडीसी), जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई), नई दिल्ली ने विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के सहयोग से, भारतभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के 60 से अधिक युवा संकाय सदस्यों के प्रशिक्षण एवं कौशल विकास के लिए 3 अगस्त-16 अगस्त, 2021 तक 'मानवाधिकार एवं सामाजिक समावेशन (अंतःविषय)' में अपना 16वां (पहला ऑनलाइन) दो सप्ताह का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम शुरू किया।

आज आयोजित उद्घाटन सत्र की शुरुआत प्रो. अनीसुर रहमान, निदेशक, यूजीसी-एचआरडीसी, जेएमआई के स्वागत भाषण से हुई।

प्रो.नजमा अख्तर, कुलपति, जामिया उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि रहीं। प्रो. मुस्लिम खान, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान, सामाजिक विज्ञान संकाय, जामिया ने सत्र की अध्यक्षता की।

अपने उद्घाटन भाषण के दौरान प्रो. नजमा अख्तर ने पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के महत्व को रेखांकित किया और बताया कि क्यों शिक्षण को सबसे महत्वपूर्ण व्यवसायों में से एक माना जाता है। उन्होंने अधिकारों के महत्व पर जोर दिया, विशेष रूप से वर्तमान महामारी के संदर्भ में।

जामिया की यात्रा के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, "जामिया ने कई चुनौतियों और बाधाओं के बावजूद कई नई ऊंचाइयां और सम्मान हासिल किए हैं"। उन्होंने मौजूदा महामारी के संदर्भ में अधिकारों के क्षरण के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि महामारी के आर्थिक और सामाजिक अधिकारों पर लंबे समय तक चलने वाले परिणाम होने की संभावना है, और इसने एक बार फिर गहरी जड़ों वाली प्रणालीगत असमानताओं पर ध्यान केंद्रित किया है।

प्रो. मुस्लिम खान, अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग ने अपनी टिप्पणी में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के ऐतिहासिक महत्व और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्वतंत्रता के समय विश्वविद्यालय के लिए सरकारी समर्थन के बारे में भी किस्सा साझा किया। उन्होंने आगे संकाय सदस्यों के पेशेवर जीवन को बढ़ाने में योगदान करने में मानव संसाधन विकास की भूमिका पर जोर दिया।

पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. सुचरिता सेनगुप्ता और राजनीति विज्ञान विभाग, डॉ. अदनान फारूकी ने पाठ्यक्रम सामग्री की रूपरेखा तैयार की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगले दो हफ्तों में, भारत भर में विभिन्न डोमेन विशेषज्ञता के प्रख्यात विशेषज्ञ वक्ता मानव अधिकारों के विभिन्न पहलुओं पर युवा संकाय को प्रशिक्षित करेंगे और उनका मार्गदर्शन भी करेंगे। सत्र का समापन डॉ. अदनान फारूकी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया